अध्यक्ष हेनरी बी. आयरिंग

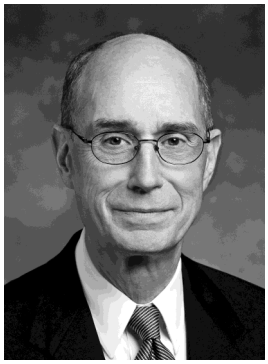

योग्यता से हथियार बन्ध होना

अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन, परमेश्वर के धरती पर भविष्य वक्ता, ने धोषणा की थी, "आजकल,हम पाप,बुराई और दृष्टाता के बड़े से व्यूह जो कभी हमारे आखों के समाने थें के विरुद्ध डेरा डाले हुए है ।"[1]

क्या आप आचभित होंगे कि पांचस साल पहले अध्यक्ष मॉनसन ने निरे शब्द सीखाए थे ? यदि हम दृष्टता के अभूतपूर्व के विरुद्ध तब डेरा डाले होते,तो आज बुराई हमें इतनी अधिक न धमकती ? अच्छे कारण के लिये, प्रभु ने हमारे युग की घोषणा की थी, "देखो दुश्मन मिला हुआ है" (सिऔरअनु 38:12)।

युद्ध जिसमें "हम सब सूची में है "[2] की शुरुआत होती है हमारे पृथ्वी पर जन्म से पहले । इसका आरम्भ यहां तक पृथ्वी की रचना से पहले हो गया था । इस का प्रारम्भ कई हजारों वर्ष पहले के जीवन के राज्य में हो गया था, जहां शैतान ने बगावत की और "मनुष्य की स्वतंत्रता को नष्ट करना चाहा था" (मूसा 4:3)।

शैतान वो लड़ाई हार जाता और "धरती पर फेंक दिया जाता" (प्रकटीकरण 12:9) है, जहां पर वह आज भी अपनी लड़ाई ज़ारी रखें हुए है । यहां धरती पर "उसने परमेश्वर के संतों से युद्ध छेड़ हुआ है, और उनके चारो ओर "(सिऔरअनु 76:29) झुठ,धोखा,और ला लच के साथ घेरा डाले हुएं है ।

वह भविष्यवक्ताओ और प्रेरितों के विरुद्ध युद्ध करता है । वह सदाचार के नियम और विवाह की पवित्रता के विरुद्ध लड़ाई करता है । वह परिवार और मंदिर विरोध में युद्ध करता है । वह क्या अच्छाई, पवित्रता,और पवित्र है के विरुद्ध युद्ध करता है ।

कैसे हम ऐसे शत्रु से लड़ते है ? कैसे हम बुराई के विरुद्ध लड़ेंगे जोकि हमारे संसार को निगलता हुआ प्रतीत होता है ? हमारा शास्त्र क्या है ? कौने हमारे सहयोगी हैं ?

मेमने की सार्मथ्य

भविष्यक्ता जोसफ स्मिथ ने सीखाया था कि शैतान हमारे ऊपर तभी अपनी शक्ति अजमाता है जब हम उसे करने की अनुमति देते हैं । [3]

हमारे दिनों को देखते हुए, नेफी ने "परमेश्वर के मेमने की शक्ति को देखा,कि वह मेमने के गिरजे के संतों के ऊपर और प्रभु केअनुबंधित लोगों के ऊपर आई, जो कि संपूर्ण पृथ्वी पर बिखरे हुए थें; *और वे धार्मिकता और परमेश्वर की शक्ति के महान अनुग्रह से लैस थे "*(1 नेफी 14:14; जरुर जोड़े)।

हम कैसे अपने आपको योग्यता और सर्मथ के शास्त्र से लैय करते है ? हम सब्त दिन को पवित्र रखकर और पौरोहित्य का आदर कर के करते हैं । हम पवित्र अनुबंध बनाकर और पालन करने, परिवारिक इतिहास पर कार्य कर, और मंदिर जा कर करते है । हम लगातार पश्चाताप कर और प्रभु "मसीह के प्रायश्चित के लहु को लगने का आग्रह कर प्रयत्न करते रहे कि हम अपने पापों की क्षमा प्राप्त कर सके "(मूसायाह 4:2)। हम यीशु मसीह से प्रार्थना करते और सेवा और गवाही और विश्वास का अभ्यास करते है ।

हम अपने आपको योग्यता और सर्मथ के शस्त्रो से भी सजाते है जैसे हम "अपने मनों में जीवन के वचनों का खज़ाना रखते है" (सिऔरअनु 84:85)। हम उन वचनों के पवित्र शास्त्रों में और प्रभु के चुने हुएं सेवकों के वचनों में डूबने के द्वारा, जोकि आनेवाले माह में जनरल सम्मेलन के दौरान अपने इच्छा,मन,और स्वर से बांटेंगे का खज़ाना रखते हैं (देखें सिऔरअनु 68:4) ।

हमारी लड़ाई बुराई के विरुध में हैं, हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि हमें पर्दे के दोनों तरफ से सहायता मिलती है । हमारे साथीयों में परमेश्वर अनन्त पिता,प्रभु यीशु मसीह,और पवित्र आत्मा शामिल है ।

हमारे साथीयों में अनदेखी स्वर्गीय सेना भी शामिल है । "मत डर, "एलिशा ने युवा पुरुष से कहा था जब वे बुराई की सेना का सामना भरभीत होकर कर रहा था,"क्योंकि जो हमारी ओर है,वह उन से अधिक है, जो उनकी ओर है" (देखें 2 राजा 6:15–16)।

हमें डरने की आवश्यक्ता नहीं है । परमेश्वर अपने संतों से प्रेम करता है । वह हमें कभी नहीं छोड़ेगा ।

मैं जानता हूं कि परमेश्वर, प्रार्थना के जवाब में, मेरे बुराई से बचाने के अनुरोध को पूरा करता है । मैं गवाही देता हूं कि परमेश्वर पिता की संसार के उद्धारर्कता,और पवित्र आत्मा के मदद के साथ, हम निश्चित हो सकते हैं कि पयार्प्त सार्मथ्य के साथ हमें कैसी भी बुराई का समाना करने के लिये खड़े रहेंगा ।

हम हमेशा योग्यता के शास्त्रों से सजे रहेंगे ताकि हमें विजयाई होने का वास्तव में भरोसा रहेंगा ।

टिपण्णीयां

1. Thomas S. Monson, "Correlation Brings Blessings," *Relief Society Magazine,* Apr. 1967, 247.
2. "We Are All Enlisted," *Hymns,* no. 250.
3. देखें *Teachings of Presidents of the Church: Joseph Smith* (2007), 214.

इस संदेश से शिक्षा दें

अध्यक्ष आयरिंग हमें स्मरण कराते है हम ने बुराई के विरुध युद्ध छेड़ा है । आप गीत गाकर शुरु कर सकते है "We Are All Enlisted" (*Hymns,* no. 250) जिन्हें आप सीखा रहे है । फिर आप उन्हें बांटने के लिए आमंत्रण कर सकते है कैसे वे योग्यता के द्वारा सुरक्षित रहे और अपने परिवार को समझदारी तरीकों से शैतान से बचाया है, जैसे कि लाभदायक तरीके से मीडिया को चुनना,परिवारिक बैठक करना, या सप्ताहिक परिवारिक संध्या करना । आप उन्हें प्रार्थनापूर्वक चिन्तन करने की चुनौती दे सकते हैं कैसे वे अपने परिवार को सुरक्षा के घेरा बनाकर रखें और उन्हें योजना बनाकर उन सुझावों को लागू करने के लिये प्रोत सहित कर सकते है ।

युवक

मैंने निर्णाय ले लिया था

मेडीसन थॉमसन द्धारा

मैंने एक बार युवतियों की कक्षा में यौन शुद्धता पर एक अमुल्य सबक प्राप्त किया था---एक शीर्षक जिसने की बहुत से युवाओं को उनके ही सीटों पर झेंपा दिया था । मैंने उस दिन क्या सीखा था मुझे सबकुछ याद नहीं, परन्तु मुझे याद है मेरे मार्गदर्शक ने एक अपनी व्यक्तिगत स्तर के बारे में बताया था--जो हमेशा यौन शुद्धता में रही थी । उनके शब्द मेरे साथ हमेशा रहे, और तब मैंने उसे करने के लिये सचेत निर्णाय लिया अपने स्वंय के व्यक्तिगत नियमों के रुप में ।

एक दिन जैसे मैं खेल देखने के बाद बस से घर जा रही थी, किसी ने बस में सच या हिम्मत का खेल शुरु किया था । ऊबा हुआ, कुछ दूसरे बच्चो ने और मैंने भाग लिया । जब मेरी बारी आई, मेरी हिम्मत नहीं थी ऐसा कुछ करने की जिसे मैं जानती थी की सही नहीं है । यह मेरे लिये लेने के लिए कठीन निर्णाय नहीं था , लेकिन मेरी युवा मार्गदर्शन के शब्द मेरे मन में आएं, और चुनाव करना आसान हो गया था । मैंने तुरन्त नाकार दिया था । मैंने वैसे ही अपना मन बना लिया था के ऐसी परिस्थित में मुझे क्या क्या करना है ।

मैं जानती थी कि जब हम गिरजा जाएंगे और वहां पर सिखाई गई बातों के लिये जगह बनाएंगे, हमें महान आत्मिक शक्ति के साथ आशीष और संसारिक प्रलोभन से सुरक्षा मिलेंगी ।

लेखक,युटाह, संयुक्त राष्ट्र, में रहता है ।

बच्चे

अपने शास्त्र को पहने

आजकल संसार में बहुत से बुरी चीजें है । सुसमाचार ऐसे कवंच है जो कि हमें बचाता है । 10 बातों को पढें अध्यक्ष आयरिंग ने हमें अपने आप के बचाव के लिए बताई है । तब आप अपने कवंच को बनाएं और रंग भरे !

- सब्त दिन को पवित्र रखें
- पौरोहित्य का आदर करना
- अनुबंधों को बनना और पालन करना
- परिवार इतिहास पर काम करना
- मंदिर जाना
- पश्चाताप
- प्रार्थना
- दूसरो की सेवा करना
- अपनी गवाही बांटना
- धर्मशास्त्रों को पढ़ना

© 2017 द्वारा सर्वधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमति : 6/16। अनुवाद अनुमति : 6/16 । प्रथम अध्यक्षता संदेश,मार्च 2017 अनुवाद स्वीकृ ती 97923 294

यीशु मसीह और उसके प्रायश्चित की साम्थर्य को सक्रिय करता है

विश्वास, परिवार, सहायता

प्रार्थनापूर्वक इस समाग्री का अध्ययन करें और क्या बांटना है को प्रेरित होकर खोजे । कैसे सहायता संस्था परमेश्वर की बे टियों कोअनन्त जीवन की आशीषों के उदेश्थों को समझने के लिए तैयार करेंगी ?

"जो मुझे सामर्थ देता है उस में मैं सब कुछ कर सकता हूं" (फिलिप्पियों 4:13) । "क्यों कि हम सभी के पास कमजोरियां है, हम उन से ऊभर सकते है," अध्यक्ष डिएटर एफ. उक्टॉफ प्रथम अध्यक्षता में दितीये सलाहकार ने कहा । "सच में यह परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा है कि, यदि हम अपने आप में विनम्र हो और विश्वास रखें, कमजोर चीज़े ताकत बन सकती है ।"[1]

हमारे उद्धारकर्ता ने सिद्धान्त और अनुबंध में कहा था, "मैं तुम्हारे आगे चलुगां । मैं तुम्हारे दाहिने तरफ और बांई तरफ रहुंगा,और मेरी आत्मा तुम्हारे हृदयों में रहेंगी, और मेरे स्वर्गदूत तुम्हारे चारों ओर, तुम्हें ऊपर उठाएंगे " (सिऔरअनु 84:88)।

"नेफी एक उदाहरण है जो जानता, समझता, और उद्धारकर्ता की सार्म्थय पर निर्भर कर स्वीकृति देता है," एलडर डेविड ए. बेटनर बारह प्रेरितों के परिषद के ने कहा था । "नेफी के भ ाईयों ने उसे रस्सी से बंध दिया और उसको तब ाह करने की योजना बनाई । कृपाय ध्यान दे ने जो तुझ में है,मुझें मेरे भाईयों के हाथ से छुड़ा, 'हां, मुझे इतनी शक्ति दे कि मैं इन बंधनों को तोड़ सकुं जिससे मैं बंधा हूं' (1 नेफी 7:17; emphasis added)।

"... नेफी ने उसकी परिस्थितियों को बदले के लिये प्रार्थना नहीं की थी । वास्तव में, उसने परिस्थियों को बदलने की सामर्थ्य के लिये प्रार्थना की थी । और मै विश्वास करता हूं उसने इसी उचित रीति से प्रार्थना की होगी क्योंकि वह जा नता,समझता था,और प्रायश्चित का सामर्थ का अनुभव किया था ।

"मैं नहीं सोचता की बंधन जिससे नेफी बंधा था चमत्कारी तरह से उसके हाथों से गिर गया होगा । असल में, मुझे संदेह है वह दोनों उसकी प्राकृतिक क्षमता से अधिक अवस्थिति और व्यक्तिगत ताकत से आशीषित था, कि वह तब 'प्रभु की सामर्थ्य में '(मुसायाह 9:17) क ाम किया और रस्सी को मोड़ा और तोड़ा था, और आखिरकार और वास्तव में बंधनों को तोड़ा डाला था । "[2]

अतिरिक्त धर्मशास्त्र और जानकारी

यशायाह 41:10; एथर 12:27;
reliefsociety.lds.org

टिपण्णी

1. Dieter F. Uchtdorf, "The Gift of Grace," *Liahona,* May 2015, 108.
2. David A. Bednar, "Strength beyond Our Own," *New Era,* Mar. 2015, 4.

इसपर विचारे

यीशु मसीह के साम्थर्य को सक्रिय कर और उसकी प्रायश्चित बलिदान की सहायता से हमारी कमजोरियां ताकत कैसे बन सकती है ?

© 2017 द्वारा सर्वधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमति : 6/16 । अनुवाद अनुमति : 6/16 । भेंट करने वाला शिक्षक संदेश,मार्च 2017 अनुवाद स्वीकृ ती 97923 294